प्रेस-विज्ञप्ति **20-04-2016**

जन-जन तक भारतीय संविधान की जानकारी पहुचाने, संविधान के अनुसार व्यवस्था चलाने तथा देश के सभी लोगों की संवेदनापूर्वक देख - भाल तथा अच्छे संवेदनशील कर्मठ लोगों को राजनीति में स्थान दिलाने हेतु संविधान कथा का एक भावपूर्ण आयोजन

दिनांक 20 अप्रैल, 2016 को प्रातः 10:30 बजे से मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा जन-जन तक भारतीय संविधान की जानकारी पहुचाने, संविधान के अनुसार व्यवस्था चलाने तथा देश के सभी लोगों की संवेदनापूर्वक देख - भाल तथा अच्छे संवेदनशील कर्मठ लोगों को राजनीति में स्थान दिलाने हेतु संविधान कथा का एक भावपूर्ण आयोजन किया गया |

डॉ. इन्द्र मोहन रोहतगी, अध्यक्ष, मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश ने मुख्य वक्ता–श्री गिरीश पाण्डेय, आई0आर0एस0 (सेवानिवृत्ति) एवं आये हुए सभी आगंतुको का स्वागत किया और बताया की श्री पाण्डेय जी ने गाँव-गाँव जाकर वहां रहने वाले नागरिको एवं विद्यार्थियों को संविधान संबंधी प्रावधान से अवगत काराया तथा संविधान का ज्ञान, सम्मान व् पालन करने की आवश्यकता पर चर्चा की |

मुख्य वक्ता श्री गिरीश एन. पाण्डेय जी ने जन-जन तक भारतीय संविधान की जानकारी पहुचाने, संविधान के अनुसार व्यवस्था चलाने तथा देश के सभी लोगों की संवेदनापूर्वक देख - भाल तथा अच्छे संवेदनशील कर्मठ लोगों को राजनीति में स्थान दिलाने हेतु संविधान कथा का एक भावपूर्ण आयोजन किया |

षी पाण्डेय जी ने यह बताया की संविधान से ही व्यवस्था बनती है और भारत जैसे विशाल देश में यदि संविधान का ज्ञान नहीं है तो व्यस्वस्था नहीं बन पायेगी |

श्री पाण्डेय जी ने यह भी बताया की संविधान में 73वां और 74वां संशोधन इसलिए किया गया की गाव अपने लिए अच्छा प्रधान चुने इसके परिणाम भी अभी संपन्न हुए पंचायत के चुनावों में देखने को मिल रहे है | कुछ साफ़-सुथरी छवि वाले व्यक्तियों ने चुनाव जीते है तथा धन व् मदिरा परोसने वाले व्यक्ति चुनाव हारे है | श्री पाण्डेय जी ने यह भी बताया की प्रधान यदि संवेदनशील हो तो किसी भी किसान की आत्महत्या करने की आवश्यकता ही नहीं होगी |

इसी क्रम में श्री पाण्डेय जी ने यह भी सूचित किया कि यदि लोगो में अपने संविधान के मौलिक-कर्तव्यों और अधिकारों का ज्ञान हों तो वह एक ऐसे साफ़-सुथरे छवि वाले आदमी को चुन सकेंगे जो उनकी

समस्याओं को निजात दिला सकने में उनकी मदद करेगा |

श्री पाण्डेय जी ने अन्य प्रकार के निम्नलिखित सुझाव भी दिए:

- संविधान को पाठ्यक्रम में एक विषय के तौर पर सम्मिलित किया जाए |
- देश को जागरूक करने के लिए संविधान का ज्ञान व् उसका जीवन-यापन में समायोजन करना

  अति आवश्यक है | शिक्षकों को इस आन्दोलन में सहभागिता सुनियोजित की जाए |
- संविधान की जागरूकता से सम्बंधित छोटे-छोटे सांस्कृतिक आयोजन भी होने चाहिये |
- प्रत्येक व्यक्ति को सम्विधान के मूल-कर्तव्यों का पालन करना चाहिए |
- वित्तीय लेखा-जोखा कि तरह की तरह सरकार को सामाजिक लेखा-जोखा भी कराना चाहिए | जिससे उनको समाज में जमीनी स्तर का पता चल सकें |

पदम्श्री श्री गिरीराज किशोर, महान साहित्यकार एवं श्री पी.के. सिंह जी ने श्री गिरीश एन. पाण्डेय जी द्वारा जन-जन तक संविधान पहुचाने तथा लोगों को उनके मौलिक-अधिकारों के बारे में उठाये गए इस आह्वान का स्वागत किया और इस संविधान में विचार व्यक्त किये |

उपस्थित गणमान्य: श्री ए.के. सिन्हा, सचिव, एम.सी.यू.पी., श्री विजय पाण्डेय, सदस्य, मर्चेंट्स ऑफ उत्तर प्रदेश एवं अन्य प्रमुख गणमान्य उपस्थित थे |